



Shivam yadav

11 Oct 1999

07:16 PM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121070002

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 11/10/1999
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 19:16:00 घंटे
इष्ट _____: 32:27:47 घटी
स्थान _____: Bulandshahr
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:30:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 18:57:16 घंटे
वेलान्तर _____: 00:13:06 घंटे
साम्पातिक काल _____: 20:16:06 घंटे
सूर्योदय _____: 06:16:53 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:54:02 घंटे
दिनमान _____: 11:37:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 23:56:56 कन्या
लग्न के अंश _____: 21:55:54 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: तुला - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: स्वाति - 4
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: विष्कुम्भ
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 11 मास 27 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
11/10/1999	09/10/2002	09/10/2018	08/10/2037	09/10/2054
09/10/2002	09/10/2018	08/10/2037	09/10/2054	08/10/2061
00/00/0000	गुरु 26/11/2004	शनि 11/10/2021	बुध 06/03/2040	केतु 07/03/2055
00/00/0000	शनि 09/06/2007	बुध 21/06/2024	केतु 03/03/2041	शुक्र 06/05/2056
00/00/0000	बुध 14/09/2009	केतु 30/07/2025	शुक्र 02/01/2044	सूर्य 11/09/2056
00/00/0000	केतु 21/08/2010	शुक्र 29/09/2028	सूर्य 08/11/2044	चंद्र 12/04/2057
00/00/0000	शुक्र 21/04/2013	सूर्य 11/09/2029	चंद्र 09/04/2046	मंगल 08/09/2057
11/10/1999	सूर्य 07/02/2014	चंद्र 12/04/2031	मंगल 06/04/2047	राहु 26/09/2058
सूर्य 21/03/2000	चंद्र 09/06/2015	मंगल 21/05/2032	राहु 24/10/2049	गुरु 02/09/2059
चंद्र 20/09/2001	मंगल 15/05/2016	राहु 28/03/2035	गुरु 29/01/2052	शनि 11/10/2060
मंगल 09/10/2002	राहु 09/10/2018	गुरु 08/10/2037	शनि 09/10/2054	बुध 08/10/2061

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
08/10/2061	08/10/2081	09/10/2087	08/10/2097	09/10/2104
08/10/2081	09/10/2087	08/10/2097	09/10/2104	00/00/0000
शुक्र 07/02/2065	सूर्य 26/01/2082	चंद्र 08/08/2088	मंगल 06/03/2098	राहु 22/06/2107
सूर्य 07/02/2066	चंद्र 28/07/2082	मंगल 09/03/2089	राहु 25/03/2099	गुरु 15/11/2109
चंद्र 09/10/2067	मंगल 02/12/2082	राहु 08/09/2090	गुरु 01/03/2100	शनि 21/09/2112
मंगल 08/12/2068	राहु 27/10/2083	गुरु 08/01/2092	शनि 10/04/2101	बुध 10/04/2115
राहु 09/12/2071	गुरु 14/08/2084	शनि 08/08/2093	बुध 07/04/2102	केतु 28/04/2116
गुरु 09/08/2074	शनि 27/07/2085	बुध 08/01/2095	केतु 03/09/2102	शुक्र 28/04/2119
शनि 08/10/2077	बुध 03/06/2086	केतु 09/08/2095	शुक्र 03/11/2103	सूर्य 12/10/2119
बुध 08/08/2080	केतु 09/10/2086	शुक्र 09/04/2097	सूर्य 10/03/2104	00/00/0000
केतु 08/10/2081	शुक्र 09/10/2087	सूर्य 08/10/2097	चंद्र 09/10/2104	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 3 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृत्ति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृत्ति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नहीं करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंहन बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नहीं मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नहीं करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्ता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।